डेली कॉलेज, जूनियर स्कूल

हिंदी सामूहिक कविता पाठ – 2018-19

कक्षा III B

मेरे मन को

चंदा चमके आसमान पर,
मुझसे कहता, चमको।

सूरज भी कहता हँस कर,
दमको, दमको, दमको।

फूल सभी चुपके से कहते,
महको, महको, महको।

चिड़िया कहतीं चीं-चीं करके,
चहको, चहको, चहको।

बादल कहते दानी बनकर,
खूब ज़ोर से बरसो।

बूँदें कहतीं छम-छम करके,
नाचो, गाओ, **हरसो**।

मेरे मन को **भाए** लेकिन,
तितली बनकर उड़ना।

हैं गुलाब जैसे जो बच्चे,
उनसे सबसे जुड़ना।

उड़ते-उड़ते, उड़ते-उड़ते,
परी लोक तक जाना।

फिर परियों के बच्चों को भी,
अपने यहाँ बुलाना।

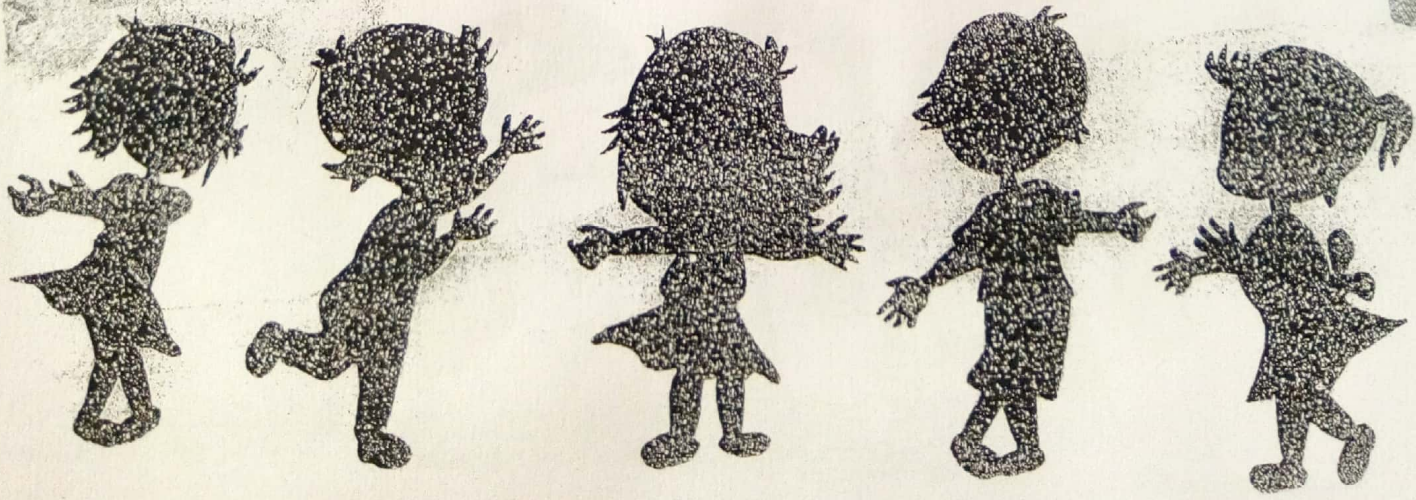

Scanned by CamScanner